न्यायालय

उपखण्ड अधिकारी/सहायक कलेक्टर राजगढ़ जिला-अलवर

(पीठासीन अधिकारी सुश्री सीमा खेतान आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र संख्या :-- 03/02/2023 ऑनलाईन नम्बरः--2023/28 प्रवेश तिथिः--04.01.2023

1. रिछपाल पुत्र श्री बिरबल मीना जाति मीना उम्र 92 वर्ष निवासी भॉखरी तहसील राजगढ जरिये पावर अर्टोनी होल्डर विजय कुमार मीना पुत्र श्री रेवडराम मीना जाति मीना उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम भॉखरी तहसील राजगढ जिला अलवर राज०।

............प्रार्थी

बनाम्

1. तहसीलदार साहब राजगढ जिला अलवर

............अप्रार्थी

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 128 राज० काश्तकारी अधिनियम
उपस्थितः– श्री दीपक जैमन एड०-प्रार्थी
तहसीलदार राजगढ अप्रार्थी

उपखण्ड अधिकारी राजगढ़ जिला-अलवर सत्यमेव जयते

–:निर्णयः–

दिनांकः–07.01.2025

1. आज यह पत्रावली वास्ते निर्णय पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृतान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 128 राज० काश्तकारी अधिनियम के तहत इस न्यायालय में पेश कर निवेदन किया की प्रार्थी की हाल आराजी खसरा संख्या 210/1.2100 है० वाके ग्राम भॉखरी तहसील राजगढ जिला अलवर में अवस्थित है जिस पर प्रार्थी काबिज होकर काश्त करता चला आ रहा है। उक्त आराजी का मौके पर सीमांकन नही होने से प्रार्थी द्वारा सीमांकन कराये जाने बाबत तहसीलदार राजगढ के यहा प्रार्थना पत्र पेश किया जिस पर तहसीलदार राजगढ द्वारा संबंधित पटवारी को पैमाईश के आदेश दिये जिस पर पटवारी हल्का द्वारा दिनांक 25.06.2021 को मौके पर उपस्थित होकर उक्त आराजी का सीमांकन कराकर निशान देही कराई गई। पुष्टि में रिपोर्ट पैमाईश संलग्न है। अब प्रार्थी मुताबिक पैमाईश रिपोर्ट दिनांक 25.06.2021 के आधार पर आराजी की पत्थरगढी कराना चाहता है। अतः में प्रार्थना पत्र प्रार्थी स्वीकार कर आराजी उक्त की पत्थरगढी तहसीलदार राजगढ पैमाईश दिनांक 25.06.2021 के अनुसार कराये जाने के आदेश जारी करने का निवेदन किया।

2. प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर तहसीलदार राजगढ से रिपोर्ट तलब कि गई। तहसीलदार राजगढ के पत्रांक क्रमांक/भू.अ./2024/1323 दिनांक 28.05.2024 रिपोर्ट प्रेषित की गई जो शामिल मिशल है।

3. बहस वकील प्रार्थी की सुनी गई। दौराने बहस प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों को दौहराते हुये प्रार्थना पत्र प्रार्थी स्वीकार कर आराजी की मुताबिक पैमाईश दिनांक 25.06.2021 व तहसीलदार की रिपोर्ट दिनांक 28.05.2024 के अनुसार पत्थरगढी के आदेश जारी

उपखण्ड अधिकारी, राजगढ
जिला-अलवर

करने का निवेदन किया तथा पुष्टि में जमाबंदी सम्वत् 2071 से 2075 खाता संख्या 80 वाके ग्राम भॉखरी तहसील राजगढ जिला अलवर की नकल पेश की।

4. बहस वकील प्रार्थी व तहसीलदार राजगढ पर मनन किया। पत्रावली का अवलोकन किया। पत्रावली पर उपलबध जमाबंदी सम्वत् 2071 से 2075 खाता संख्या 80 वाके ग्राम भॉखरी तहसील राजगढ जिला अलवर के अंकित इन्द्राज के अनुसार आराजी विवादित प्रार्थी की खातेदारी की आराजी होना साबित है। साथ ही संलग्न रिपोर्ट पैमाईश दिनांक 25.06.2021 व तहसीलदार राजगढ की रिपोर्ट दिनांक 28.05.2024 से भी यह तथ्य प्रार्थी सावित है कि प्रार्थी द्वारा तहसीलदार राजगढ के माध्यम से हल्का पटवारी से दिनांक 25.06.2021 को विवादित आराजी की पैमाईश कराई जा चुकी है।

राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 111 व 128 निम्न प्रकार है :-

> **Sec. 111. Decision of disputes as to boundaries** (1) In case of any dispute concerning any boundaries the Land Records Officer shall decide such dispute, so far as possible, on the basis of the existing survey maps and, where this is not possible or such maps are not available, on the basis of actual possession.
>
> (2) if in the course of an inquiry into a dispute under this section, the land Records Officer is unable to satisfy himself as to which party is in the possession or if it is shown that possession has been obtained by wrongful dispossession of the lawful occupants within a period of three months previous to the commencement of the inquiry, the Land Records Officer shall ascertain by summary inquiry who is the party best entitled to possession and shall then fix the boundary accordingly.
>
> **Sec. 128. Boundary disputes.-** All disputed concerning bound-aries shall be decided by the land Records Officer in the manner laid down in section 111.

उपखण्ड अधिकारी राजगढ़ जिला- अलवर
सत्यमेव जयते

इसलिये प्रार्थी को अपनी आराजी की सुरक्षा हेतु पत्थरगढी के आदेश जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

प्रार्थना पत्र प्रार्थी अन्तर्गत धारा 128 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम आराजी खाता संख्या 80 खसरा संख्या 210/1.2100 है0 किस्म चाही उत्तम वाके ग्राम भॉखरी तहसील राजगढ जिला अलवर *स्वीकार किया जाता है। तहसीलदार राजगढ को आदेश जारी किये जाते है कि वो अपनी उपस्थिति में प्रार्थी के खर्चे पर पक्षकारान की उपस्थिति में विवादित आराजी की पुनः पैमाईश कर धारा 111 में वर्णित प्रक्रिया के अनुसार पत्थरगढी कराने की कार्यवाही करें। तहसीलदार राजगढ को पालना हेतु निर्णय प्रति भिजवाई जावें।*

निर्णय आज दिनांक 07.01.2025 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली नम्बर से कम होकर बाद पूर्ति जमा लेख भंडार हो।

SSC

(सुश्री सीमा खेतान आर.ए.एस.)
उपखण्ड अधिकारी राजगढ
जिला–अलवर